संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in
www.eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अगस्त 2009
वर्ष-3 अंक-7 (पूर्णांक 247)

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

पक्षी दोस्त और दुश्मन पहचानते हैं		2
विज्ञान पत्रिका के संपादक के इस्तीफे का रोचक किस्सा		2
ग्रीनहाउस गैस से ईंधन		3
परिंदे बहुत होशियार होते हैं	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	4
कैनिज़रोः इतिहास की बुनियाद पर रसायन की प्रगति	डॉ. सुशील जोशी	6
शांत रहें, दमा से बचें		8
कैसे बने क्षिप्रा फिर से सदानीरा	डॉ. राम प्रताप गुप्ता एवं आर.सी. गुप्ता	9
सिलिकोसिस के मरीज़ों के लिए नई उम्मीद	भारत डोगरा	14
पक्षी कितने बड़े हो सकते हैं?		15
बीड़ीः एक संक्षिप्त इतिहास	डॉ. प्रणय लाल	16
नेचर पत्रिका को नई दिशा दी थी जॉन मैडॉक्स ने	पी. बालाराम	20
इंजेक्शन महामारी भी फैला सकते हैं	डॉ. अनंत फड़के	23
ज्वालामुखी से प्रभावित मानव जीवन	नरेंद्र देवांगन	25
मीट्रिक प्रणाली से नहीं चलता नासा		27
स्वाइन फ्लू में महामारी के सारे गुण हैं		28
कंपनियों के दस्तावेज़ और तंबाकू विरोधी अभियान		28
पुनर्जीवित हुआ सवा लाख साल पुराना बैक्टीरिया		29
जब बाल्टी ही लीक करे तो बांधों से क्या होगा?		30
खुजलाने से खुजली मिट क्यों जाती है?		32
स्कूलों की व्यवस्थाः आमूल बदलाव की दरकार	अरविन्द सरदाना	33
मलेरिया खात्मे के दो नए तरीके	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	35
बैक्टीरिया संक्रमण के इलाज में वायरस		
चूहे बीमारियों को सूंघ लेते हैं		

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।